an>

Title: Regarding environmental policy in the country.

श्री राजकुमार सैनी (कुरूक्षेत्र) : महोदय, मैं राजकुमार सैनी पहली बार कुरूक्षेत्र से निर्वाचित हो कर संसद में आया हूं और प्रथम बार आपने मुझे बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। दूसरा धन्यवाद, मैं प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को करना चाहूंगा, जिनकी वजह से पूरे विश्व में प्रजातंत्र के प्रति जो विश्वास जगा और जिस गौरवपूर्ण दृष्टि से प्रजातंत्र को सराहा गया, मैं इसका धन्यवाद उनको संसद नमन कर के देता हूं। तीसरा धन्यवाद, मैं कुरूक्षेत्र की जनता को देना चाहूंगा। ...(व्यवधान)

मैं एनवायरनमेंट के मुद्दे पर सदन का विशेष ध्यान दिलाना चाहता हूं। पर्यावरण पूरे विश्व के लिए जितनी जरूरी है, यह हमारे देश के लिए भी उतनी ही जरूरी है। लेकिन, जब फ्रांस और पेरिस जैसे बड़े-बड़े शहर बने होंगे, वहां भी रेत, बजरी और डस्ट सिंडा होगा। हमारे इस देश में पर्यावरण नीति एक अभिशाप के तौर पर विकास को रोके हुए है। इस ओर ध्यान दी जानी चाहिए, क्योंकि बहुत सारी रेलवे लाइनें, टनल्स, नहरें, सड़कें और इंडस्ट्रीज, सिर्फ पर्यावरण की पॉलिसी की वजह से रूकी पड़ी हैं। मैं वर्ष 2010 में एक इंडस्ट्री लगा रहा था। चार वर्षों के बाद भी, आज तक इंडस्ट्री को एनवायरनमेंट क्लीयरेंस नहीं मिली है। मैं हिमाचल प्रदेश की सरकार को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने आंशिक तौर पर मुझे परमिशन दी, लेकिन कोई इंडस्ट्री के लिए जमीन लेने के पश्चात्, कोई सड़क, कोई नहर या कोई बिजली लाइन, अगर चार वर्ष तक उनका मामला क्लीयर नहीं होता है तो उनके मायने ही बदल जाते हैं। कॉन्ट्रैक्टर उसे छोड़ कर भाग जाते हैं।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इस ओर पर्यावरण पॉलिसी में विशेष ध्यान दी जाए।